



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34]

मई दिल्ली, राजिकार, अगस्त 19, 1972 (श्रावण 28, 1894)

No. 34]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 19, 1972 (SRAVANA 28, 1894)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

PART III—SECTION 4

विविध निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें अधिसूचनाएं, आवेदन और सूचनाएं सम्बंधित हैं
Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices
issued by Statutory Bodies

स्टेट बैंक आफ इंडिया

केन्द्रीय कार्यालय

वम्बई, दिनांक 26 जून 1972

सं. १—इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है:—

श्री एन० जी० काले ने दिनांक 25 मार्च 1972 को कारोबार समाप्त होने की अवधि में, मुख्य शाखा, अहमदाबाद के स्थानापन्न एजेंट का पदभार ग्रहण किया।

टी० आर० बरहानारी,
प्रबन्ध-निदेशक

रेल दर अधिकरण, महाराष्ट्र के समक्ष

[रेल दर अधिकरण नियमावली, 1959 के नियम 19 (3) और (4) के अधीन जारी की गई

मार्वजिक सूचना]

1971 की शिकायत सं. १
(सिकन्दरगाबाद)

दि दक्षान शुगर और आबकारी कंपनी
निमिट्टे

शिकायतकर्ता

वनाम

भारत संघ जिमका प्रतिनिधित्व }
दक्षिण मध्य रेलवे, मिकन्दरगाबाद }
के महाप्रबन्धक द्वारा किया जाता है }
}

प्रत्यर्थी

गत: शिकायतकर्ता ने रेल अधिनियम, 1890 की धारा 41 (1) (ग) के अधीन यह बताते हुए शिकायत पेश की
।—209GI/72

है कि वे चीनी और चीनी की उपजात वस्तुओं के उत्पादन तथा बिक्री का व्यवहार करते हैं और उनका मिल सामर्लकोट रेलवे स्टेशन के पास है, रेलवे द्वारा 1923 से साइडिंग मुविधाएं प्रदान की गई थीं; अनुरक्षण तथा अन्य प्रभारों की वास्तविक लागत के भुगतान के सम्बन्ध में तकालीन एम० एण्ड एम० एम० रेलवे कंपनी नथा शिकायतकर्ता के बीच 3-10-1923 को एक करार हुआ था; भारत संघ द्वारा उक्त रेलवे के लिए जाने के बाद 8-12-1964 को एक नया करार हुआ जिसका मानोधन 23-9-1965 को एक संशोधक करार द्वारा किया गया; पश्चात्काल दो करारों के उपबन्धों के अनुसार भी लेब्रा शीर्पों के अधीन के प्रभार की संगताना-प्रणाली के आधार का आमूल परिवर्तन किया गया और दरें स्वेच्छापूर्वक और अत्यधिक मात्रा में बढ़ा दी गई हैं; इमदादी मार्डिंग पर रेलवे द्वारा लगाई गई वास्तविक पूंजीगत लागत पर सूद के रूप में 4 प्रतिशत की, इमदादी मार्डिंग तथा निजी मार्डिंग दोनों मार्डिंगों के मुपर-ग्रेड के काम में रेलवे नथा शिकायतकर्ता द्वारा किए जाने वाले अनुमानित वर्तमान खर्च पर अनुरक्षण खर्च के रूप में ४५ % की और प्रत्येक शंट के लिए निधीय न्यूनतम प्रभार के माथ प्रति चौपहिया बैगन रु० १/-, प्रति छापहिया बैगन रु० १-५० तथा प्रति आठ-पहिया बैगन रु० २/- की दर पर साइडिंग प्रभार की मात्र शिकायतकर्ता से की गई है; शिकायतकर्ता ने इसके आशय को पूर्णतया समझे बिना करार का निपादन किया है; इमदादी तथा निजी मार्डिंगों के अनुरक्षण के लिए रु० ४८४५.०६ का प्रभार जो अनुमानित वर्तमान लागत पर लगाए जाने हैं, अत्यधिक है; निजी मार्डिंग पर किया गया अनुरक्षण-कार्य

भग्न्य या बिलकुल नहीं के बागबार है; वर्तमान लागत को कृत्रिम रूप से बढ़ा दिया गया है; प्रत्यर्थी प्रति शंट 12 प्रतिशत और 9 प्रतिशत की दर पर लगाए जाने वाले अनुपूरक प्रभारों को मिलाकर कुल रु 64.10 बसूल कर रहा है जो अनुचित है; प्रति शंट के लिए 46 मिनिट का औस्त समय अत्यधिक है; शिकायतकर्ता को सूचना देकर कोई टेस्ट-ट्रैल ही नहीं किया गया।

और यतः शिकायतकर्ता ने (1) अनुरक्षण-प्रभार को अनुचित घोषित करने तथा या तो वास्तविक लागत के आधार पर या दूसरे आधार पर उचित अनुरक्षण प्रभार का निर्धारण करने की (2) प्रति शंट औस्त समय का निर्धारण करने की (3) हंजिन-घंटे की लागत को निर्धारित करके शॉटिंग प्रभार को निश्चित करने की (4) शॉटिंग प्रभार पर लगाए जाने वाले अनुपूरक प्रभारों को अनुचित घोषित करने की (5) वैसी सभी दरों को शिकायत की तारीख से ही निश्चित करने और इतर अनुतोष देने की प्रार्थना की है।

और यतः यह समझा जाता है कि और भी इस प्रकार के व्यक्ति होंगे जो रिकार्डों में नहीं हों परन्तु जिनका, उपर्युक्त शिकायतकर्ता या प्रत्यर्थी के जैसे इन कार्यवाहियों में समान हित हो;

अतः यह मार्वजनिक सूचना रेल दर अधिकरण नियमावली, 1959 के नियम 19(3) और (4) के अधीन दी जाती है ताकि, जो चाहे, वह उस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के अन्दर इस शिकायत में प्राप्तित अनुतोष की पुस्टि में या विरोध में प्रविष्ट होने की अनुमति के लिए या शिकायतकर्ता अथवा प्रत्यर्थी के पक्ष में जोड़े जाने के लिए, प्रस्तावित प्रवेश के आधार या कार्यवाहियों में अपनी स्थिति और हित या उपर्युक्त शिकायत में एक पार्टी के रूप में जोड़े जाने के आधार स्पष्ट करने हुए अधिकरण को आवेदन पेश करे। अधिकरण द्वारा इस सूचना के बाद जो भी फैसला सूनाया जाएगा, वह वैसे सभी लोगों के लिए लाग होगा।

आज आगस्त 1972 की 4 तारीख को नं. 11, बोट क्लब रोड, राजा अण्णामलैपुरम, मद्रास-28 में मेरे हास्ताक्षर और अधिकरण की मुहर के अधीन दिया जाता है।

(के० एम० शंकरमूर्या)

(ट्रिब्यूनल की मोहर)

सचिव,

रेल दर अधिकरण

रेल दर अधिकरण नियमावली, 1959 के नियम 19(3) और (4) के अधीन जारी की गई
मार्वजनिक सूचना]

1971 का आवेदन सं. 1

(गोरखपुर)

भारत संघ जो पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर का

मालिक है, जिसका प्रतिनिधित्व उसके महा-

आदेदक

प्रबन्धक द्वारा किया जाता है।

बनामः

(1) इण्डियन शूगर मिल्स एण्ड मिल्स, कलकत्ता	} प्रत्यर्थी
(2) दी बेलमुन्द शूगर कं. लिं. रीगा उसके प्रबन्ध एजेंट मेसर्स बांग्रे बर्डसे लिं. द्वारा	

यतः आवेदक ने रेल अधिनियम, 1890 की धारा 41 ए के अधीन यह बताते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया है कि रीगा रेलवे स्टेशन के परिसर में एक हमदादी साइडिंग का निर्माण किया गया दूसरे प्रत्यर्थी के उपयोगार्थे एक निजी साइडिंग का निर्माण किया गया और प्रत्यार्थियों ने आवेदक द्वारा लगाए गए साइडिंग प्रभार (प्लेसमेंट) तथा शॉटिंग प्रभार के बीचित्य पर आपत्ति उठाते हुए 1962 की शिकायत सं. 1 दायर की; अधिकरण ने तब के प्रभारों को अनुचित घोषित करते हुए द्व्याज और अनुरक्षण प्रभार के रूप में रु 803.07 की अधिवादिकी अदायगी, इमादी साइडिंग पर प्लेसमेंट के लिए प्रति वर्ष रु 424 का साइडिंग प्रभार प्रत्येक शॉटिंग इंजिन के लिए रु 20 का शॉटिंग प्रभार निर्धारित किया; भारत के सर्वोच्च न्यायालय में एक अपील प्रस्तुत की गई जिसने तारीख 21-3-67 की अपनी डिप्री में अधिकार्यों को परिशोधित किया और यह निर्देश किया कि साइडिंग प्रभार प्रति शंट रु 5 का दिया जाय, और शॉटिंग प्रभार प्रति घंटे रु 22 निर्धारित किया गया; सर्वोच्च न्यायालय द्वारा परिशोधित अधिकरण के आदेशों को 31-1-1964 से अमल में लाया गया; शॉटिंग इंजिन घंटे की लागत एक एमा तत्व है जो समय-समय पर बदलता रहता है; चूंकि अधिकरण द्वारा निर्धारित दर 1956-57 के आंकड़ों पर आधारित है, इसलिए 1958-59 के मंबन्ध में दो परिशोधन समय से पीछे पड़ गए हैं और 1968 के लिए तीसरा परिशोधन भी करना है; 62 की शिकायत सं. 1 पर अधिकरण द्वारा दिए गए आदेशों को इसलिए प्रतिसंहित, प्रतिशोधित या परिवर्तित करने की आवश्यकता है कि वह आदेश जिन परिवर्तियों और आधार पर दिया गया उनमें भारी परिवर्तन हुए हैं; साइडिंग प्रभार परिशोध है और शॉटिंग इंजिन घंटे की भारत जो 1956-57 के आंकड़ों पर आधारित है, अधिक हो गई है; परिवर्तित परिस्थितियों और दशाओं के अनुसार द्व्याज तथा अनुरक्षण प्रभारों का परिशोधन भी समय से पीछे पड़ गया है।

और यतः आवेदक ने (1) 1962 की शिकायत सं. 1 के आदेशों वा प्रतिसंहित करने और/अथवा उनका परिशोधन करने (2) शॉटिंग इंजिन घंटे की चालू लागत तथा वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर साइडिंग प्रभार तथा शॉटिंग प्रभारों का परिशोधन करने के लिए आवेदक को अनुमति देने और (3) चालू लागतों के आधार पर द्व्याज तथा अनुरक्षण प्रभारों का परिशोधन करने के लिए प्रार्थना की है।

और यतः यह समझा जाता है कि और भी इस प्रकार के व्यक्ति होंगे जो रिकार्डों में नहीं हों परन्तु जिनका उपर्युक्त आवेदक या प्रत्यर्थी के जैसे इन कार्यवाहियों में, समान हित हो;

अतः यह सार्वजनिक सूचना रेल दर अधिकरण नियमावली, 1959 के नियम 19 (3) और (4) के अधीन दी जाती है ताकि जो भी व्यक्ति चाहे, वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के अन्दर इस आवेदन में प्राथित अनुतोष की पुष्टि में या विरोध में प्रविष्ट होने की अनुमति के लिए या अविदक अथवा प्रत्यक्षियों के पक्ष में जोड़े जाने के लिए, प्रस्तावित प्रबंध के अधार या कार्यावाहियों में अपनी स्थिति और हित या उपर्युक्त अविदन में एक पार्टी के रूप में जोड़े जाने के आधार पर स्पष्ट करते हुए अधिकरण को अर्जी पेश करे। इस सार्वजनिक सूचना के बाद अधिकरण द्वारा दिया जाने वाला कोई भी नियंत्रण देसे मभी व्यक्तियों पर लागू होगा।

आज अगस्त 1972 की 4 तारीख को नं० 11 बोट बलब रोड, गजा अण्णामलैपुरम, मद्रास-28 मे मेरे हस्ताक्षर और अधिकरण की मुहर के अधीन दिया जाता है।

अदानन की मुहर

के० प० स० शंकरराया,
सचिव
रेल दर अधिकरण

विदेश व्यापार संकालय

वस्त्र उद्योग समिति

बम्बई-18, दिनांक 31 जुलाई 1972

स० ——प० वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम, 1963 (1963 का 41) की धारा 23 की उपधारा (2) के खण्ड (ग) के साथ पटित उपधारा (एक) द्वारा प्रदान की गई अपनी शक्तियों को अपनाते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से वस्त्र उद्योग समिति के कर्मचारियों की (भर्ती) विनियम, 1968 मे और संशोधन करने हेतु निम्न विनियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) ये विनियम वस्त्र उद्योग कर्मचारियों की (भर्ती) विनियम 1972 कहलाए।

(2) ये तुरन्त प्रवर्तमान होंगे।

2. वस्त्र उद्योग समिति के कर्मचारियों की (भर्ती) विनियम, 1968 की प्रथम अनुसूची मे “द्वितीय मद-पणन गवेषणा कक्ष” के बाद निम्न मद निविष्ट की जाएगी, अर्थात्:—

2. क. वस्त्र रंग डिजाइन केन्द्र:

(1) पद का नाम : मुख्य डिजाइनर

(2) वेतन मान : रु० 1300-60-1600

STATE BANK OF INDIA

Central Office

Bombay, the 26th June 1972

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified:—

(3) वय मर्यादा : ऊपरी वय मर्यादा 40 साल अंतरा एवं अनुभव : आवश्यक:

(क) किसी अभिज्ञात विश्वविद्यालय/संस्था अथवा उसके गमकक्ष की किसी संस्था की लिलित कला या प्रयुक्त कला मे कम से कम द्वितीय श्रेणी मे प्राप्त पदवी या डिग्लोमा।

(ख) डिजाइन व्यवसाय मे 10 माल का अनुभव जिसमे कम से कम 5 साल का अनुभव वस्त्र व्यवसाय मे होना चाहिए/इसके अन्तर्गत ग्राहकों के विचारों को समझते हुए वस्त्र डिजाइन मे उन्हे साकार स्वरूप देना भी समिलित है।

आंछनीय :

(क) कापड़ा लगाई, स्क्रीन बनाने तकाली, पटिका प्रकाशन तथा प्रदर्शन आयोजित करने का अनुभव।

(द) द्वितीय अनुसूची की मद 1 (ख) तथा तस्मान्धों प्रविष्टियों के बाद निम्न मद निविष्ट की जाएगी, अर्थात्:—

(ख) (एक) वस्त्र रंग डिजाइन केन्द्र:

(1) मुख्य डिजाइनर : रु० 1300-60-1600
सीधी भर्ती।

प० ए० र० रामचन्द्रन, सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1972

शुद्धि -पत्र

स० दृम० 22(1) 1/72—मद्रानिवेशक कर्मचारी राज्य बीमा निगम की अधिसूचना संख्या दृम० 22(1) 1/72 (9) दिनांक 8-6-72 के हिन्दी अनुवाद मे जो कि भारत के राजपत्र भाग-III खण्ड 4 दिनांक 1-7-72 के पृष्ठ 1105 पर प्रकाशित किया गया था, मे “महिन्ड्राले” शब्द त्रमांक 4 के पश्चात् त्रमांक 5 के रूप मे संशिष्ट कर दिया जाए, तथा त्रमांक 5 के रूप मे त्रमांक 6 तथा 7 पढ़ा जाए।

आर्ड० डी० वजाज, उप-बीमा आयुक्त

Shri L. G. Kale has assumed charge as Officiating Agent, Ahmedabad Main Branch, as at the close of business on the 25th March 1972.

T. R. VARADACHARY
Managing Director

**BEFORE THE RAILWAY RATES TRIBUNAL AT
MADRAS**

(Public Notice under Rule 19(3) and (4) of the R.R.T. Rules, 1959)

Complaint No. 1 of 1971
(Secunderabad)

The Deccan Sugar & Abkhari Company.
Limited .. Complainant

vs.

The Union of India represented by the
General Manager, South Central Railway,
Secunderabad .. Respondent

WHEREAS the complainant has filed a complaint under Section 41(1)(c) of the Railways Act 1890 stating that it carries on business in the production and sale of sugar and its by-products having the Mills near Samalkot railway station; that siding facilities were provided by the railway from 1923; that an agreement dated 3-10-23 was entered into between the then M. & S.M. railway company and the complainant regarding the payment of actual cost of maintenance and other charges; that after the Union of India took over the railway a fresh agreement dated 8-12-64 was entered into which was modified by a rider agreement dated 23-9-65; that by the provisions of the two last mentioned agreements, the basis calculation of the charges on all heads of account has been radically altered and the rates have been arbitrarily and steeply raised; that the complainant has been called upon to pay 4% as interest on the actual capital cost borne by the railway on the assisted siding, 4½% as maintenance charges on the notional present day cost incurred by the railway and the complainant in the super grade work both in the assisted and private sidings, and siding charges at Re. 1/- per 4-wheeled wagon, at Rs. 1.50 per 6-wheeled wagon and at Rs. 2/- per 8-wheeled wagon with a minimum charge to be fixed for each shunt; that the complainant executed the agreement not being fully aware of the implication; that the charges of Rs. 4845.06 for maintenance of the assisted and private sidings, being levied on a notional present day cost, are excessive; that negligible or no maintenance work has been carried out in regard to the private siding; that the present day cost has been inflated; that the respondent is collecting Rs. 64.10 per shunt inclusive of supplementary charges at 12% and 9% which is unreasonable; that the average time of 46 minutes per shunt is excessive; that no test trial was conducted after notice to the complainant.

AND WHEREAS the complainant has prayed for (1) to declare the maintenance charges as unreasonable and fix reasonable charges either on the actual charges or other basis (2) to fix the average time taken per shunt (3) to assess the engine hour cost and fix the shunting charges (4) to declare the supplementary charges on the shunting charges as unreasonable (5) to fix all such rates from the date of the complaint and for other reliefs.

AND WHEREAS it is thought that there may be persons who are not on record but have the same interest in the proceedings as the complainant or the respondent above named;

This public notice is, therefore, given under Rule 19(3) and (4) of the R.R.T. Rules 1959, so that any person who desires may petition the Tribunal within 30 days of the publication of this notice for leave to intervene in support of or in opposition to the reliefs sought for in the complaint or be added as a party on the side of the complainant or respondent setting forth the grounds of the proposed intervention or the position and the interest of the petitioner in the proceedings or the grounds for being added as a party in the above complaint. Any decision given by the Tribunal after this public notice shall apply to all such persons.

Given under my hand and seal of the Tribunal this 4th day of August, 1972, at No. 11, Boat Club Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

K. S. SHANKARAIYA, Secy.
Railway Rates Tribunal

(Seal of Tribunal)

**BEFORE THE RAILWAY RATES TRIBUNAL AT
MADRAS**

(Public Notice under Rule 19(3) and (4) of the R.R.T. Rules, 1959)

Application No. 1 of 1971
(Gorakhpur)

The Union of India owning the North
Eastern Railway, Gorakhpur represented
by its General Manager .. Applicant

versus

- (1) Indian Sugar Mills Association, Calcutta.
- (2) The Belsund Sugar Co. Ltd., Riga through their Managing Agents Messrs. Bangur Brothers Ltd. .. Respondents

WHEREAS the applicant has filed an application under Section 41A of the Railways Act, 1890 stating that an assisted siding was constructed within the premises of the Riga railway station and also a private siding for the use of the 2nd respondent; that the respondents filed Complaint No. 1 of 62 challenging the reasonableness of the siding (placement) charge and the shunting charge levied by the applicant; that the Tribunal after declaring the then charges as unreasonable, fixed half yearly payment of Rs. 803.07 towards interest and maintenance charges, siding charge of Rs. 424 annually for the placement on the assisted siding and a shunting charge of Rs. 20/- per shunting engine; that an appeal was filed to the Supreme Court of India which in its decree dated 21-3-67 modified the orders of the Tribunal and directed that the siding charge to be paid at Rs. 5/- per shunt and the shunting charge was fixed at Rs. 22 per hour; that the order of the Tribunal as modified by the Supreme Court had been given effect to since 31-1-1964; that the cost of shunting engine hour is a factor which changes from time to time; that since the rates fixed by the Tribunal being based on the figures of 1956-57 with reference to year 1958-59 two revisions are overdue and the third revision for 1968 is also due; that the orders of the Tribunal made in Complaint No. 1 of 62 require to be revoked, modified or altered for the reasons that there has been a material change in the circumstances and basis on which the order was made; that the siding charge is liable to revision and the cost of shunting engine hour, which was also based on the figures of the year 1956-57 has increased; that the revision of interest and maintenance charges are also overdue according to the changed circumstances and conditions.

AND WHEREAS the applicant has prayed for (1) to revoke and/or revise the orders in Complaint No. 1 of 62; (2) to permit the applicant to revise the siding charge and the shunting charges based on the current cost of shunting engine hour and the prevailing conditions and (3) to revise the interest and maintenance charges based on the current costs.

AND WHEREAS it is thought that there may be persons who are not on record but have the same interest in the proceedings as the applicant or the respondents above named;

This public notice is, therefore, given under Rule 19(3) and (4) of the R.R.T. Rules 1959, so that any person who desires may petition the Tribunal within 30 days of the publication of this notice for leave to intervene, in support of or in opposition to the reliefs sought

for in the application or be added as a party on the side of the applicant or respondents setting forth the grounds of the proposed intervention or the position and the interest of the petitioner in the proceedings or the grounds for being added as a party in the above application. Any decision given by the Tribunal after this public notice shall apply to all such persons.

Given under my hand and seal of the Tribunal this 4th day of August, 1972 at No. 11 Boat Club Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

K. S. SHANKARAIYA
Secretary,
Railway Rates Tribunal

(Seal of Tribunal)

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

Textiles Committee

Bombay-18, the 31st July 1972

S.O. No. 13(45)/71-AD.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (i), read with clause (c) of sub-section (2), of Section 23 of the Textiles Committee Act, 1963 (41 of 1963), the Textiles Committee hereby makes, with the previous sanction of the Central Government, the following regulations further to amend the Textiles Committee's Employees (Recruitment) Regulations, 1968, namely :

1. (1) The regulations may be called the Textiles Committee's Employees (Recruitment) Amendment Regulations, 1972.
- (2) They shall come into force at once.
2. In the Textiles Committee's Employees (Recruitment) Regulations, 1968—in Schedule I, after "Item II—Market Research Wing", the following item shall be inserted, namely :

II.A—Textile Colour Design Centre :

- (i) Name of post : Chief Designer
Scale of pay : Rs. 1300-60-1600
Age limit : Upper age limit 40 years
Qualification & Experience : Essential :

- (a) At least a II Class Degree or Diploma in Fine Art or Applied Art from a recognised University/Institution or equivalent.
- (b) Ten years' experience in the profession of designing, of which at least 5 years should be in Textile Field. This should also include experience in interpreting the idea of clients and converting it into creative textile designs.

Desirable :

- (a) Experience in Cloth-Printing, Screen Making, Engraving, Publication of Magazine and Organising Exhibitions.
- (ii) in Schedule II, after item I (b) and the entries relating thereto, the following item shall be inserted namely :

(b) (i) Textile Colour Design Centre :

- (1) Chief Designer : Rs. 1300-60-1600
Direct Recruitment.

A. N. RAMACHANDRAN
Secretary.

PHARMACY COUNCIL OF INDIA

No. 17-1/72-PCI/ .—The following resolutions passed by the Pharmacy Council of India at its XXVII meeting held on the 20th May, 1972 at Bangalore are published

as required under section 15 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), namely :—

F. No. 32-8/71-PCI/128 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the 4 years integrated Bachelor course in Pharmacy conducted by the Ahmedabad Education Society, Ahmedabad at the L.M. College of Pharmacy, Ahmedabad to be an approved course of study for a further period of four years ending June, 1976 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provision of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Bachelor examination in Pharmacy held by the Gujarat University, Ahmedabad to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying as a pharmacist under the said Act.

Provided that the candidates who have passed the above examination and who apply for registration have undergone practical training laid down in rule 5 of the Education Regulations."

F. No. 17-29/70-PCI/129 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the State Government of Andhra Pradesh, Hyderabad at the Govt. Polytechnic, Hyderabad, to be an approved course of study for a further period of two years ending July, 1974 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the State Board of Technical Education and Training, A.P.; Hyderabad to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-22/72-PCI/130 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the Exhibition Society, Hyderabad at the Kamala Nehru Polytechnic for Women, Hyderabad to be an approved course of study for a further period of two years ending December, 1973 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the State Board of Technical Education and Training, A.P.; Hyderabad to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-33/72-PCI/131 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the State Government of Andhra Pradesh, Hyderabad at the Government Polytechnic, Kakinada to be an approved course of study for a further period of five years ending December, 1973 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the State Board of Technical Education and Training, A.P.; Hyderabad to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-24/71-PCI/132 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the State Government of Andhra Pradesh, Hyderabad at the S.V. Government Polytechnic, Tirupati to be an approved course of study for a further period of two years ending August, 1973 for the purpose of admission to be an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the State Board of Technical Education and Training A.P.; Hyderabad to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-26/70-PCI/133 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the State Government of Andhra Pradesh at the Government of Polytechnic, Visakhapatnam to be an approved course of study for a further period of one year ending August, 1973 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the State Board of Technical Education & Training, A.P.; Hyderabad to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-39/71-PCI/134 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the State Government of Assam at the Institute of Pharmacy, Assam Medical College, Dibrugarh to be an approved course of study for a further period of two years ending January, 1973 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the Dibrugarh University, Dibrugarh to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-45/71-PCI/135 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma in Pharmacy & Dressers Course conducted by the State Government of Haryana at the Govt. Polytechnic for Women, Ambala to be an approved course of study for a

further period of two years ending August, 1973 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma in Pharmacy and Dressers examination held by the Director of Technical Education, Haryana, Chandigarh to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-34/71-PCI/136 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma in Pharmacy & Dressers Course conducted by the State Government of Haryana at the Medical College, Rohtak to be an approved course of study for a further period of two years ending August, 1973 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma in Pharmacy and Dressers examination in Pharmacy held by the Punjab University, Chandigarh to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-32/72-PCI/137 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the State Government of Kerala at the Calicut Medical College, Calicut to be an approved course of study for a further period of one year ending August, 1972 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the State Board of Examiners appointed by the State Govt., Kerala to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-5/70-PCI/138 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Dispensers Class II Course conducted by the Director-General, Armed Forces Medical Services, New Delhi at the Armed Forces Medical College, Poona to be an approved course of study for a further period of two years ending June, 1973 for the purpose of admission to be an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Dispensers Class II Examination held by the Board of Examiners appointed by the Director General Armed Forces Medical Services, New Delhi to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-21/72-PCI/139 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma

course in Pharmacy conducted by the State Government of Maharashtra at the Govt. Polytechnic, Amravati to be an approved course of study for a further period of two years ending August, 1973 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the State Board of Technical Examination, Maharashtra to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-9/70-PCI/140 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the State Government of Maharashtra at the Government Polytechnic, Jalgaon to be an approved course of study for a further period of two years ending August, 1973 for the purpose of admission to be an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the State Board of Technical Examination, Maharashtra to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-35/70-PCI/141 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the Karnatak Liberal Education Society, Belgaum at the School of Pharmacy, Belgaum to be an approved course of study for a further period of two years ending August, 1973 for the purpose of admission to be an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the Board of Examining Authority, Govt. of Mysore to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-43/70-PCI/142 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the Academy of Medical Education, Raichur at the V. L. College of Pharmacy, Raichur to be an approved course of study for a further period of two years ending April, 1974 for the purpose of admission to be an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the Board of Examining Authority, Govt. of Mysore to be an approved Examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-44/72-PCI/143 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the National Educational Society, Shimoga at the Institute of Pharmacy, Shimoga to be an approved course of study for a further period of one year ending July, 1973 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacist.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the Board of Examining Authority appointed by the Govt. of Mysore to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-6/68-PCI/144 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the State Government of Orissa at the S. C. B. Medical College, Cuttack to be an approved course of study for a further period of three years ending June, 1973 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the Examination Committee appointed by the State Government of Orissa to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-8/70-PCI/145 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma in Pharmacy and Dressers' examinations conducted at the Medical College, Amritsar held by the Guru Nanak University, Amritsar to be an approved examination from 1st June, 1971 to 30th June, 1973 for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-13/72-PCI/146 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the State Government of Uttar Pradesh at the G. S. V. M. Medical College, Kanpur to be an approved course of study for a further period of two years ending June, 1973 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the State Medical Faculty, Uttar Pradesh, to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-19/71-PCI/147 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma in Pharmacy & Dressers Course conducted by the Director of Technical Education, Union Territory of Chandigarh at the Govt. Polytechnic for Women, Chandigarh (U.T.) to be an approved course of study for a further

period of two years ending June, 1973 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma in Pharmacy and Dressers' examination held by the State Board of Technical Education, Punjab, Chandigarh to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

F. No. 17-28/71-PCI/148 :

"1. In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by the Delhi Administration, Delhi at the Department of Pharmacy, Directorate of Technical Education, New Delhi to be an approved course of study for a further period of four years ending July, 1976 for the purpose of admission to an approved examination for pharmacists.

2. In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma examination in Pharmacy held by the Board of Technical Education, Delhi to be an approved examination during the period mentioned above for the purpose of qualifying for registration as a pharmacist under the said Act."

DEVINDER K. JAIN, Acting Secy.

EMPLOYEES STATE INSURANCE CORPORATION

Bombay-5, the 9th June 1972

No. B/Est-II-18(42).—In partial modification of this office Notification of even number dated the 28th September, 1971, the following amendment is made in the list of members of the Local Committee Amalner formed under Regulation 10-A-(1) of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950.

UNDER REGULATION 10-A(a)

ITEM No. 1 :

Read :

The Assistant Commissioner of Labour,
Jalgaon.

For :

The Assistant Commissioner of Labour,
Nasik.

BY ORDER

I. C. SARIN, Regional Director.

Madras-34, the 15th June 1972

TNR/CO-33(11)/70.—It is hereby notified that the Local Committee for Tirupur area constituted under this office notification No. MR/CO3(16)/66 dated 26-6-1969 has been re-constituted with the following members with effect from 15th June, 1972.

Chairman

Under Regulation 10A(1)(a)

1. The District Medical Officer,
Coimbatore.

Members

Under Regulation 10A(1)(b)

2. The Labour Officer,
Coimbatore-2.

Under Regulation 10A(1)(c)

3. The Insurance Medical Officer-incharge,
E.S.I. Dispensary, Tirupur.

Under Regulation 10A(1)(d) (Employers' side)

4. Shri P. Kandaswamy,
President, The South India Hosiery Manufacturers' Association, 78/12, Kumaran Road, Tirupur-1.

5. Shri K. S. Thirunavukkarasu,
Labour Welfare Officer, M/s. The Dhanalakshmi Mills Limited, Tirupur.

6. Shri R. Mahadevan,
Assistant Office Superintendent,
Asher Textile Limited, P.B. No. 154,
Gandhinagar P.O., Tirupur-3.

Under Regulation 10A(1)(e) (Employees' side)

7. Shri K. Natarajan,
1, No. 276, The Dhanalakshmi Mills Limited,
Tirupur (Coimbatore District Mill Workers Union Branch, Tirupur).

8. Shri P. Petrasamy,
Vice-President, Dravida Panchalai Thozhilalar Munnetra Sangam, Tirupur.

9. Shri P. Arumugam,
Coimbatore District Panchalai Thozhilalar Sangam (HMS), Tirupur.

Member-Secretary

Under Regulation 10A(1)(f)

10. The Manager,
Employees' State Insurance Corporation,
Local Office Tirupur.

The 4th July 1972

TNR/CO-3(25)/70.—It is hereby notified that the Local Committee for Erode area re-constituted vide this office notification No. MR/CO-3(32)/64(1) dated 10-12-1968 under Regulation 10A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 has been reconstituted with the following members with effect from 4th July, 1972.

Chairman

Under Regulation 10A(1)(a)

1. The District Medical Officer,
Coimbatore.

Members

Under Regulation 10A(1)(b)

2. The Labour Officer-I,
Coimbatore.

Under Regulation 10A(1)(c)

3. The Medical Officer-incharge,
E.S.I. Dispensary, Erode.

Under Regulation 10A(1)(d) (Employers' side)

4. Shri E. M. Ismail Mohideen,
Assistant Secretary, Erode Tannery Merchants Association, 9, Batelson Street, Peria Agraharam, Erode-5.

5. Shri C. Bhaskaran,
Labour Welfare Officer, Sri Natesar Spinning and
Weaving Mills (Private) Limited, Erode.

Under Regulation 10A(1)(e) (Employees' side)

6. Shri E. N. Subramanian,
General Secretary, The Coimbatore District Mill
Workers' Union (AITUC), No. 153, Perundurai
Road, Erode.

7. Shri G. Ganapathy,
Secretary, Kovai Mavatta Dravida Panchalai
Thozhilalar Munnetra Sangam (Erode Branch),
Erode.

Under Regulation 10A(1)(j)

Member-Secretary

8. The Manager,
Employees' State Insurance Corporation,
Local Office Tirupur.

The 10th July 1972

No. TNR/CO-3(35)/70.—It is hereby notified that Shri H. R. Iyengar, Factory Manager, Party Confectionary Limited, Nellikuppam is nominated as a member of the Local Committee Nellikuppam under Regulation 10A(a)(d) of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 instead of Shri H. V. R. Iyengar.

The following amendment shall accordingly be made to this office notification of even No. dated 7-1-1972 namely for the existing name against Sl. No. 5, the following shall be substituted.

Sl. No. 5 "H. R. S. Iyengar,
Factory Manager,
Party Confectionary Limited,
Nellikuppam."

The 24th July 1972

No. TNR/CO-3(29)/70.—It is hereby notified that the Local Committee constituted *vide* this office notification No. MR/CO-3(36)/64(1) dated 31-10-1964 for Nagapattinam area has been reconstituted under Regulation 10A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 with the following members with effect from 24th July, 1972.

Chairman

Under Regulation 10A(1)(a)

1. The District Medical Officer,
Thanjavur at Nagapattinam.

Members

Under Regulation 10A(1)(b)

2. The Labour Officer,
Thanjavur.

Under Regulation 10A(1)(c)

3. The Medical Officer-incharge,
E.S.I. Dispensary, Nagapattinam.

Under Regulation 10A(1)(d) (Employers' side)

4. The Works Manager,
Boat Building Yard, Nagapattinam.

5. Shri V. Ganapathy, B.E.,
General Foremen—Mills, The Indian Steel Rolling
Mills Limited, Nagapattinam.

Under Regulation 10A(1)(e) (Employees' side)

6. Shri S. Srinivasan,
Assistant Foreman, The Indian Steel Rolling Mills
Staff Union (INTUC), Nagapattinam.

7. Shri S. Natarajan,
(Arasu Visai Padagu Kattum Thozhilalar Sangam)
Sekkadi Street, 2nd Ward, Nagapattinam.

Under Regulation 10A(1)(f)

Member-Secretary

8. The Manager,
Employees' State Insurance Corporation,
Local Office Tiruchirapalli.

BY ORDER

V. SIVARAMAN, Regional Director & Ex-officio
Member-Secy., Regional Board, E.S.I.C., Tamil Nadu

New Delhi, the 24th July 1972

No. 6(16)/79-Estt.III.—In pursuance of Section 25 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 10 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the following further amendment is hereby made in the Employees' State Insurance Corporation Notification No. 6(16)/69-Estt.III, dated 23-12-1970, pertaining to the constitution of the Regional Board, Madhya Pradesh Region, namely:—

In the said Notification, the entry against Item No. 3, may be substituted as under:—

Shri B. M. Date,
Labour Commissioner, Madhya Pradesh, Indore,--
Representative nominated by the State Government.

The 1st August 1972

No. 12-(1)/13/69-Med-II.—In pursuance of the resolution passed by the Employees' State Insurance Corporation at its meeting held on 25th April, 1951 conferring upon me the powers of the Corporation under Regulation 105 of the ESI Corporation (General) Regulations 1950, I hereby authorise the following Medical Officers to function as Medical authorities with effect from 1-8-1972 with their respective jurisdiction as shown below against them for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

Designation of the Officer empowered as Medical Authority & Area

The Civil Surgeon,
Tezpur (Assam)—Charduar.

The Civil Surgeon,
Jorhat (Assam)—Jorhat & Mariani.

T. C. PURI, Director General

New Delhi, the 28th July 1972

CORRIGENDUM

No. INSL 22(1)1/72.—In the Hindi version of the notification of the Director General, Employees' State Insurance Corporation No. INSL 22(1)1/72(9) dated 8-6-72 published at page 1105 of the Gazette of India in Part III Section 4 dated 1-7-72 the word "Mahindale" may be inserted after Serial No. 4 to be read as Sl. No. 5 and the existing Serial No. 5 & 6 may be read as Serial No. 6 & 7 respectively.

I. D. BAJAJ, Dy. Insurance Commissioner

